ISSN 2319-9407
www.yuvasamvad.org
www.yuvasamvad.com

नव निर्माण के लिए

युवा संवाद

अक्टूबर 2022 अंक-236 मूल्य - 30 रुपये

गाँधी के मुसलमान

गांधी जी हत्या और सावरकर

यह गांधी के युग की बात है

भारत का राष्ट्रगान है
जन गण मन
यह घोषित है
जिसे गुरूदेव ने लिखा था
यह गांधी युग की बात है

'स्वच्छ भारत' का राष्ट्रगान है
मैं हूँ बिल्ला वह है रंगा
घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा
देखो फेंका कैसा फंदा
विरोध न तुमसे हो पाएगा बंदा
मैं हूँ बिल्ला वह है रंगा
घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा

यह राष्ट्रगान अघोषित है
लिखनेवाले का नाम भी अघोषित है
यह तब लिखा गया था
जब एक आदमी
चुनावी प्रहसन में
रवींद्रनाथ टैगोर का चोगा पहनकर
घूमता दिखा था कुछ जगहों पर
यह तब की बात है
जब स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों की पिटाई
राजधानी की काली सड़कों पर
पुलिस करती फिर रही थी

यह बापू के हत्यारों के
युग की बात है

वैसे इस युग के बापू का नाम अभी
अघोषित है
हमारे नागरिक होने की घोषणा भी
तीन सौ साल पुराने कागजातो के नीचे
दबी पड़ी है

संविधान का इस्तेमाल
पद की शपथ लेने तक सीमित कर दिया गया है
देश के हिंदूराष्ट्र हो जाने की बात को लेकर
अंधों में उत्साह और खुली आँखों में दहशत है
देश के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति का
राष्ट्रपति भवन में
प्रवेश करने से पहले
मंत्र पढ़ कर शुद्धिकरण किया जाता है
और इस बात पर
न देश अपमानित महसूस करता है
न संविधान और न खुद राष्ट्रपति

लोकतंत्र की हत्या
अघोषित है
लेकिन चुनी हुई सरकारों के
गिर जाने बिक जाने या डर कर हट जाने की
घटना रोज देखने को मिलती है
पर न जनता सुगबुगाती है और न अदालत

आजादी हमारी तो नहीं ही बची
सरकार की भी नही बची
लेकिन यह अघोषित है
घोषणा आजादी की होती है
गुलामी की नहीं

हम जानते हैं कि देश अपने हाथ से
फिसल चुका है
फिर भी हम खामोश हैं
हमारी लड़ाई
घोषणा के इंतजार में स्थगित है

यह इंतजार घातक है लेकिन
कितनों को तो समझ ही नहीं आ रहा
कि उसे करना क्या है।

- रंजीत वर्मा

युवा संवाद

वर्ष: 19 ■ अंक: 236 ■ अक्टूबर, 2022

प्रकाशन एवं संपादन पूर्णतया अवैतनिक

संपादक मंडल

प्रो. कमल नयन काबरा
अरुण कुमार त्रिपाठी
अनिल चमड़िया
योगेन्द्र
अशोक भारत

संपादक

ए. के. अरुण

कला संपादक

संजीव शाश्वती

संपादकीय एवं प्रबंध कार्यालय

167ए / जी.एच.2

पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063

फोन – 7303608800

ईमेल : ysamvad@gmail.com

यह प्रति	: 30 रु.
सदस्यता की दरें	
वार्षिक	: 300 रु. (व्यक्तिगत)
	: 360 रु. (संस्थागत)
पांच वर्ष	: 1200 रु.
दस वर्ष	: 2000 रु.
आजीवन	: 3000 रु.
विदेशों में	: 200 यूएस डॉलर (पांच साल के लिए)

पत्रिका के लिये सहयोग राशि 'युवा संवाद' के नाम बैंक ड्राफ्ट/चैक से युवा संवाद 167ए/जी.एच.–2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 को भेजें। दिल्ली से बाहर के चैक के साथ 50 रु. और जोड़ें। सदस्यता राशि सीधे युवा संवाद के अकाउंट संख्या **028805003109** आई.सी.आई.सी.आई., नई दिल्ली के खाते में भी सीधे जमा कराई जा सकती है। बैंक का **IFSC CODE ICIC0000288** है। राशि जमा कराने के बाद अपना नाम व पूरा पता डाक पिनकोड सहित मोबाइल नं. 09868809602 पर अवश्य एस.एम.एस. करें।

मुद्रक, प्रकाशक और स्वामी डॉ. ए. के. अरुण, द्वारा मर्करी प्रिंटर्स, 602, गली जूते वाली, चूड़ीवालान, दिल्ली–06 से मुद्रित एवं उन्हीं के द्वारा 167ए/जी.एच. 2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–110063 से प्रकाशित।

संपादक – ए. के. अरुण

RNI NO. : DELHIN/2003 / 9929

पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

युवा संवाद से सम्बन्धित किसी भी विवाद का निपटारा दिल्ली की सक्षम अदालत में ही सम्भव होगा।

इस अंक में

मुस्लिम समाज	: गाँधी के मुसलमान	*हिलाल अहमद*	7
अहिंसक श्रम	: आर्थिक प्रक्रिया से सांस्कृतिक...	*आलोक टंडन*	17
कश्मीर	: सरकारी विमर्श बनाम गाँधी,...	*उर्मिलेश*	25
गाँधी–हत्या	: विनायक दामोदर सावरकर...	*अशोक कुमार पांडेय*	32
शोध आलेख	: गांधी स्मारक निधि का समाज..	*संजय दुलाल चंद्र सिंह*	35
पुस्तक चर्चा	: हिंदी राष्ट्रव्यापी जागरण के...	*अशोक भारत*	44
रिपोर्ट	: कलाकल्पम की चित्र प्रदर्शनी	*युवा संवाद ब्यूरो*	48
बेबाक	: एक थी बुलबुल	*सहीराम*	49

स्थाई स्तंभ

पाठक संवाद	:	4–5
संपादकीय	:	6

वेब : www.yuvasamvad.org www.yuvasamvad.com

भारत जोड़ो पद यात्रा

कांग्रेस संचालित और देश भर के तमाम जागरूक नागरिक समाज द्वारा समर्थित भारत जोड़ो यात्रा एक मामूली प्रदर्शनमूलक परिघटना मात्र नहीं है बल्कि इसका ऐतिहासिक महत्त्व है। यह यात्रा वैचारिक रूप से भी एक बड़ा कदम है। इस पर तमाम बिंदुओं से विचार किया जा सकता है लेकिन कुछ बिंदु यहां पर बौद्धिक जगत के लिहाज से रखना समीचीन होगा।

1. आइडिया ऑफ इंडिया एक ऐसा चिंतन है जो विद्वानों में बहुत लोकप्रिय है लेकिन इस पर ठोस ढंग से कम बात हो पाती है। ज्यादातर या तो हाइ कल्चर के लिहाज से इसे पहचाना जाता है या फिर तमाम पहचान आधारित संस्कृतियों के आधार पर इसको समझा जाता है। संविधानवादी इसे भारतीय संविधान के प्रावधानों में देखते हैं, लेकिन भारत एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में क्या मुकम्मल राष्ट्र बन सका है, इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया जाता। ज्यादातर बुद्धिजीवी यह मानकर चलते हैं कि भारत एक आधुनिक राष्ट्र या राष्ट्र है और मामला सामाजिक न्याय और बराबरी स्थापित करने का है। यह सोच सही नहीं है। भारत अगर आधुनिक राष्ट्र 1947 में या उसके बाद भी बन चुका होता तो देश में साम्प्रदायिकता, जातिवाद, अलगाववाद की समस्याएं कब का खत्म हो चुकी होतीं। भारत अभी भी ऐतिहासिक रूप से आधुनिक राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में है और इसलिए इस देश में राष्ट्रीय प्रश्न 'न्याय', अस्मिता विमर्श आदि से नहीं निकलेंगे। बल्कि राष्ट्रवाद ही इस देश में तमाम राष्ट्रीय प्रश्नों, प्रवृत्तियों की वैचारिक पृष्ठभूमि बनेगा और बना है। आज साम्प्रदायिकता जो बड़े संकट के रूप में देश के सामने है, वह वास्तव में इसलिए जनाधार बना सकी है क्योंकि वह राष्ट्रवाद के एक वीभत्स चेहरे से है। यदि हम एक सच्चा, सार्थक, सर्वकल्याणकारी राष्ट्रवाद विकसित व समर्थित कर सकें तो देश को खुशहाल समाज बनाने में सार्थक योगदान कर सकेंगे। भारत जोड़ो यात्रा इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है, जो लंबे समय तक उपेक्षित रहा। कारण यह है कि धर्मनिरपेक्ष ताकतों ने साम्प्रदायिकता, जातिवाद आदि के विरुद्ध राष्ट्रवादी परिप्रेक्ष्य से संघर्ष नहीं किया। भारत जोड़ो यात्रा वह जरूरी व ऐतिहासिक कार्य कर रही है।

2. भारत एक बहुत बड़ा देश है– न केवल भौगोलिक रूप से बल्कि अपने तमाम सांस्कृतिक रंगों के कारण भी। वास्तव में यह समग्र विश्व का एक संक्षिप्त संस्करण है। भारत की ओर सारी दुनिया आशा से इसलिए देखती रही है क्योंकि यहां पर तमाम अंतरों के बावजूद मिलजुल कर आपसी संवाद और भाईचारे से रहने का प्रत्यक्ष उदाहरण मौजूद है।

भारत को विश्व का यह संदेश साम्प्रदायिकता के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। यदि भारत साम्प्रदायिकता के खिलाफ हार जाता है तो भारत तो नष्ट होगा ही, साथ ही दुनिया भर में अच्छाई और इंसानियत की शक्तियों को धक्का लगेगा। प्रेम, सद्भाव, करुणा, इंसानियत ये सब केवल कोरे शब्द नही हैं बल्कि इस संसार के बने रहने के आवश्यक तत्व हैं। इन मानवीय अभिप्रेरणाओं को राजनीतिक, सांस्कृतिक व सामाजिक जीवन का अविभाज्य अंग बनाने का अनूठा प्रयास गांधी, नेहरू व अन्य नेताओं द्वारा संचालित भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने किया और इस विरासत को आजाद भारत में भी जीवित रखा गया। भारत जोड़ो यात्रा इसी दिशा में एक बड़ा सकारात्मक कदम है।

आइये, थोड़ा अतीत में चलते हैं। असहयोग आंदोलन को 10 साल हो चुके थे। कांग्रेस आंदोलन के लिहाज से निष्क्रिय हो गई थी उसके बाद कांग्रेस कोई बड़ा आंदोलन नही कर पाई थी नेहरू से लेकर पटेल तक सारे बड़े नेता चिंता में थे कुछ बड़े नेता इस विचार में थे कि अंग्रेजों से डील करके एक समांतर सरकार बना ले, इस सबसे गुस्साए सरदार पटेल ने बापू से कहा क्यो न सारे कानूनों को ताक में रहकर दिल्ली तक ही मार्च कर ले ..

बापू ठीक ऐसे ही मुस्कुरा रहे थे जैसे इस तस्वीर में राहुल मुस्कुरा रहे थे इतनी सहज सरल और सौम्यता से मुस्कराते हुए बोले सरदार आंदोलन ऐसा होना चाहिए कि जिससे इस देश का हर आदमी जुड़ सके उस चीज के लिए होना चाहिए जो हर आदमी के दैनिक जीवन मे काम आती हो सरदार बोलते ऐसी क्या चीज है बापू बोलते है 'नमक ..बापू कहते है जो चीज हर भारतवासी को फ्री मिलना चाहिए वो सबसे महंगी मिल रही है गाँधी महँगाई को घोर पूंजीवाद का साइड प्रोडक्ट मानते थे इसलिए बापू ने दांडी यात्रा की जिसका उद्देश्य भारत को घोर पूंजीवाद से मुक्त करके महंगे नमक से निजात दिलाना था आज राहुल गाँधी बिलकुल वो ही सोच रहे है जो बापू सोच रहे थे वो अडानी और अम्बानी के रूप में बढ़ते घोर पूंजीवाद के खतरे को समझ गए है इसलिए वो कन्याकुमारी से कश्मीर तक पूरे भारत को इस महँगाई मुक्त करने निकल पड़े है दांडी यात्रा ने पूरे भारत के जन जन को जोड़ दिया था राहुल की भारत जोड़ो यात्रा कितने भारत वासियों को जोड़ पा रही है वो बात उनकी मुस्कान में नजर आ रही है... ❐

आज़ादी का अमृत महोत्सव
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
Union Bank of India
आन्ध्रा Andhra
Corporation
इको फ्रेंडली बनकर ड्राइव कीजिए
यूनियन ग्रीन माइल्स लोन
इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए
आकर्षक ब्याज दर
कोई प्रोसेसिंग प्रभार नहीं
अनुच्छेद 80ईईबी के अंतर्गत टैक्स में ₹1.5 लाख तक की छूट
रजिस्ट्रेशन और रोड टैक्स में 100%* तक की छूट
राज्य सरकार की ओर से ₹2.5* लाख तक का अनुदान
ऋण आवेदन की सरल, सहज एवं सुविधाजनक प्रक्रिया 9619333333 पर एक मिस्ड कॉल दीजिए या एसएमएस कीजिए <ULOAN> को 56161 पर
www.unionbankofindia.co.in | हमें यहाँ फॉलो करें | टोल फ्री नं. : 1800 22 2244 और 1800 208 2244

RNI NO. : DELHIN/2003/9929
POSTAL REGD. NO. : DL(W) 10/2010/2021-2023
Date of Publishing : 26 Sept., 2022, Date of Posting : 2 & 3 Oct., 2022. Posting at The Post Master, NIEHO, New Delhi-110028, Total 52 Pages

युवा संवाद प्रकाशन

तीनों पुस्तकों का सैट : 200 रुपये

पुस्तक प्राप्त करने के लिए
लिखें या सम्पर्क करें :

युवा संवाद

167ए/जीएच-2, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063 फोन : 7303608800